VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

भूगोल

वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज कार्यक्रम

2026

हम केवल मॉक टेस्ट नहीं कराते हैं,
बल्कि आपको सफलता के लिए तैयार करते हैं।

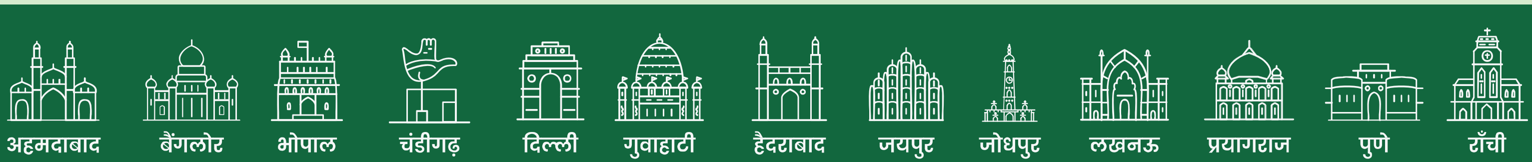

एक अभ्यर्थी के रूप में, आप अपने वैकल्पिक विषय में निपुणता हासिल करने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। आप किताबें पढ़ रहे हैं, नोट्स बना रहे हैं और अवधारणाओं को समझ रहे हैं। लेकिन केवल विषय को जान लेना, मुख्य परीक्षा (Mains) में सफलता की बस पहली सीढ़ी है। वास्तविक चुनौती तो परीक्षा कक्ष में सामने आती है — जब आपको अपने ज्ञान को गहन दबाव के बीच उच्च अंक दिलाने वाले उत्तरों में बदलना होता है।

पिछले एक दशक से अधिक समय से, VISION IAS भारत के शीर्ष रैंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों का विश्वसनीय सहयोगी और मार्गदर्शक रहा है — न केवल ज्ञान प्रदान करने में, बल्कि उत्तर लेखन के माध्यम से उस ज्ञान के सही प्रयोग में पारंगत बनाने में भी।

"अवधारणाओं की समझ से लेकर रैंक तक - भूगोल वैकल्पिक विषय में एक संपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहायता"

भूगोल ऑप्शनल कॉम्प्रिहेंसिव टेस्ट सीरिज

टेस्ट सीरिज की विशेषताएं

यूनिट टेस्ट (8)
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक भाग से **2 मिनी-टेस्ट**
- **प्रश्नों की प्रकृति:** पाठ्यक्रम की व्यापकता पर केंद्रित सरल से मध्यम स्तर तक

सेक्शनल टेस्ट (4)
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक सेक्शन से **1 टेस्ट**
- **प्रश्नों की प्रकृति:** मध्यम से कठिन, UPSC मुख्य परीक्षा की अनिश्चित प्रकृति से निपटने के लिए अभ्यर्थियों की विश्लेषणात्मक समझ का परीक्षण

फुल लेंथ टेस्ट (4)
- भूगोल वैकल्पिक विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र से संबंधित **2 फुल लेंथ टेस्ट**
- **प्रश्नों की प्रकृति:** प्रदर्शन के व्यापक मूल्यांकन के लिए वास्तविक UPSC परीक्षा के अनुसार अभ्यास

VISION IAS उत्तर लेखन की रूपरेखा

मॉडल उत्तरों से आगे बढ़ते हुए, यह रूपरेखा केवल “क्या लिखना है” पर नहीं, बल्कि “कैसे लिखना है” पर केंद्रित है।

- **प्रश्न का विश्लेषण**
  - UPSC की सटीक माँग को समझना
- **उत्तर की संरचना**
  - मुख्य सिद्धांतों और अवधारणाओं को शामिल करना
  - वैल्यू एडिशन: दृश्य चित्र/मानचित्र और विद्वानों विचारों को शामिल करना
- **अतिरिक्त अंक कैसे प्राप्त करें-**
  - वैकल्पिक भूमिका, विषयानुसार निष्कर्ष, प्रासंगिक केस स्टडी शामिल करें

VISION IAS के साथ जुड़ने के लाभ

परीक्षा के बाद परामर्श और फीडबैक

अभिनव मूल्यांकन प्रणाली

- उत्तर कॉपी जमा करने के 7–10 दिनों के भीतर प्रत्येक प्रश्न पर विस्तृत फीडबैक
- संदर्भगत और विषयगत योग्यता – दोनों का मूल्यांकन

वीडियो के माध्यम से व्याख्या प्रत्येक टेस्ट पेपर के लिए गहन और विस्तृत वीडियो आधारित व्याख्या

मेंटरशिप

मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं पर एक मेंटर के साथ व्यक्तिगत रूप से वन-टू-वन चर्चा

ऑल इंडिया रैंकिंग

ऑल इंडिया रैंकिंग प्रणाली के तहत हजारों अभ्यर्थियों के साथ प्रदर्शन की तुलना

अध्ययन सामग्री

- तुलना के लिए टॉपर की उत्तर पुस्तिकाओं तक पहुँच
- Vision IAS 2026 के वैल्यू एडिशन मटेरियल तक पहुँच

भूगोल वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज़

प्रोग्राम 1: 16 टेस्ट

प्रोग्राम की विशेषताएं:

- **8 यूनिट टेस्ट:** भूगोल वैकल्पिक विषय के पाठ्यक्रम को भागों में कवर करने वाले मिनी टेस्ट।
- **4 सेक्शनल टेस्ट:** भूगोल वैकल्पिक विषय के लिए सेक्शन वाइज टेस्ट जो पूरे पाठ्यक्रम को कवर करते हैं।
- **4 फुल-लेंथ टेस्ट (FLT):** वास्तविक UPSC मुख्य परीक्षा जैसा अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किए गए फुल-लेंथ टेस्ट (FLTs), जिनका आयोजन प्रारंभिक परीक्षा 2026 के बाद किया जाएगा।

प्रोग्राम 2: 8 टेस्ट

प्रोग्राम की विशेषताएं:

- **4 सेक्शनल टेस्ट:** भूगोल वैकल्पिक विषय के लिए सेक्शन वाइज टेस्ट जो पूरे पाठ्यक्रम को कवर करते हैं।
- **4 फुल-लेंथ टेस्ट (FLT):** वास्तविक UPSC मुख्य परीक्षा जैसा अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किए गए फुल-लेंथ टेस्ट (FLTs), जिनका आयोजन प्रारंभिक परीक्षा 2026 के बाद किया जाएगा।

प्रोग्राम	शुल्क	मॉड्यूल संख्या	प्रारंभ तिथि
भूगोल वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज 2026 – 16 टेस्ट	₹14,000	3647	16 नवंबर 2025
भूगोल वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज 2026 – 8 टेस्ट	₹10,000	3648	7 दिसम्बर 2025

वैकल्पिक विषय की दुविधा: आप पाठ्यक्रम तो जानते हैं, फिर अच्छे अंक क्यों नहीं ला पा रहे हैं?

भूगोल वैकल्पिक विषय के लिए अन्य टेस्ट सीरीज	Vision IAS की भूगोल वैकल्पिक विषय की टेस्ट सीरीज
सामान्य फीडबैक	विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों (PYQS) के माध्यम से अवधारणात्मक स्पष्टता
अस्पष्ट मॉडल उत्तर	वैयक्तिकृत मूल्यांकन; सुव्यवस्थित उत्तर लेखन अभ्यास
पुराने प्रश्न पत्र के पैटर्न पर आधारित	मेंटरशिप के माध्यम से अंकों में सुधार

इसलिए, चाहे आप —

- अभी शुरुआत कर रहे हों और यह न जानते हों कि एक अच्छा उत्तर कैसे लिखा जाए,
- पहले से ही उत्तर-लेखन का अभ्यास कर रहे हैं, लेकिन ऐसा अस्पष्ट फीडबैक प्राप्त कर रहे हैं जो यह नहीं बताता कि कैसे सुधार करना है, या
- एक अनुभवी अभ्यर्थी हों जिनके अंक नहीं बढ़ रहे हैं, भले ही आपको विषय की पूरी जानकारी है।

आपको VisionIAS की इन विशेषताओं का लाभ उठाना चाहिए और टॉपर की तरह सोचना चाहिए। UPSC में सफलता उन्हीं को मिलती है जो मुख्य परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करते हैं। ऐसी उच्च गुणवत्ता वाली टेस्ट सीरीज में शामिल होना जिसपर **टॉपर्स का पूर्ण विश्वास हो,** निश्चित रूप से आपको **UPSC सिविल सेवा परीक्षा** में सफलता दिलाएगा।

हमारी टेस्ट सीरीज ने मुख्य परीक्षा – 2025 में कैसा प्रदर्शन किया

VisionIAS में, हम केवल पाठ्यक्रम को ही कवर नहीं करते, बल्कि UPSC परीक्षा के मूल स्वरूप को भी समझते हैं। हमारा शोध-आधारित दृष्टिकोण उभरते रुझानों, बार-बार पूछे जाने वाली विषय-वस्तुओं और प्रश्नों के प्रतिरूप में बदलावों की पहचान करता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि हमारी टेस्ट सीरीज केवल पाठ्यक्रम को ही कवर नहीं करती—बल्कि परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों का पूर्वानुमान भी लगाती है।

यहाँ बताया गया है कि हमारी टेस्ट सीरीज ने UPSC मुख्य परीक्षा 2025 को कितनी सटीकता से प्रतिबिंबित किया है।

	UPSC सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2025	हमारी टेस्ट सीरीज के प्रश्न (2025)
भूगोल वैकल्पिक प्रश्न-पत्र 1	**प्रश्न 1:** "भूदृश्यों एवं स्थलाकृतियों के क्रमिक विकास को समझने में अनाच्छादन कालानुक्रम किस प्रकार सहायक है? स्पष्ट कीजिए।" **प्रश्न 2:** "विश्व के प्रमुख सांस्कृतिक प्रदेशों के परिसीमन में भाषा एवं धर्म की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।" **प्रश्न 3:** "विश्व में प्रजनन एवं मृत्यु दर की विषमता का वर्णन करने में जनसंख्या संक्रमण सिद्धांत की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।"	**प्रश्न 1:** "अनाच्छादन कालक्रम अध्ययनों में प्रयुक्त उपागमों का विश्लेषण कीजिए। किसी क्षेत्र के भू-आकृतिक इतिहास के पुनर्निर्माण में अनाच्छादन कालक्रम के महत्व का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।" **(टेस्ट कोड - 4519)** **प्रश्न 2:** "सांस्कृतिक प्रदेशों को आकार देने में धर्म की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए तथा बताइए कि इसने भौगोलिक चिंतन को किस प्रकार प्रभावित किया है।" **(टेस्ट कोड - 3319)** **प्रश्न 3:** "जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल (डी. टी. एम.) एक यूरोकेंद्रित रूपरेखा है जो वृद्ध हो रही जनसंख्या वाले समाजों में प्रजनन संक्रमणों की व्याख्या करने के लिए उपयुक्त नहीं है। प्रतिस्थापन-स्तर से कम प्रजनन प्रवृत्तियों के संदर्भ में इस कथन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।" **(टेस्ट कोड - 3324)**
भूगोल वैकल्पिक प्रश्न-पत्र 2	**प्रश्न 1:** "विशेष उदाहरणों सहित, यह आकलन कीजिए कि भारत में प्रादेशिक नियोजन द्वीपीय प्रदेशों के सतत विकास के लिए क्यों महत्वपूर्ण है।" **प्रश्न 2:** "भारत के नीली अर्थव्यवस्था में कदम बढ़ाने के पहल की वैधता की जांच कीजिए। देश के विकास में इस अर्थव्यवस्था के प्रभावों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।" **प्रश्न 3:** "ग्रामीण नगरीय उपान्त को कैसे निरूपित किया जा सकता है ? भारत से उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।"	**प्रश्न 1:** "भारत के द्वीपीय क्षेत्रों की सुभेद्यताओं को दूर करने में प्रादेशिक नियोजन की भूमिका का परीक्षण कीजिए।" **(टेस्ट कोड - 3321)** **प्रश्न 2:** भारत में समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को संरक्षित करते हुए सतत आर्थिक संवृद्धि प्राप्त करने में नीली अर्थव्यवस्था (ब्लू इकोनॉमी) के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। **(टेस्ट कोड - 3323)** **प्रश्न 3:** "भारत में शहरी-ग्रामीण सांतत्य को परिभाषित करने में आने वाली चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। यह अस्पष्टता उपांत क्षेत्रों में शासन (गवर्नेंस) और सेवा वितरण को कैसे प्रभावित करती है?" **(टेस्ट कोड - 4520)**

टेस्ट शेड्यूल और संदर्भ स्रोत

टेस्ट संख्या 1	तिथि	सम्मिलित टॉपिक	संदर्भ स्रोत
यूनिट टेस्ट 1 [5153]	16 नवंबर 2025	**1. भू-आकृति विज्ञान:** भू-आकृति विकास को नियंत्रित करने वाले कारक; अंतर्जात और बहिर्जात बल; भूपर्पटी की उत्पत्ति और विकास; भू-चुंबकत्व के मूल सिद्धांत; पृथ्वी के आंतरिक भाग की भौतिक/प्राकृतिक दशाएं; भू-अभिनति; महाद्वीपीय विस्थापन; समस्थिति; प्लेट विवर्तनिकी; पर्वत निर्माण/पर्वतोत्पत्ति के संबंध में अभिनव विचार; ज्वालामुखीयता; भूकंप और सुनामी; भू-आकृति चक्र और भूदृश्य विकास की संकल्पनाएं; अनाच्छादन कालानुक्रम; जलमार्ग (चैनल) आकृति विज्ञान या आकारिकी; अपरदन सतहें/पृष्ठ; ढाल विकास; अनुप्रयुक्त भू-आकृति विज्ञान: भू-जल विज्ञान, आर्थिक भूविज्ञान और पर्यावरण। **2. समुद्र विज्ञान:** अटलांटिक, हिंद और प्रशांत महासागरों की अधःस्तलीय स्थलाकृति; महासागरों का तापमान एवं लवणता; ऊष्मा और लवण बजट, महासागरीय निक्षेप; तरंग, धाराएं और ज्वार-भाटा; समुद्री संसाधन: जीवीय, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन; प्रवाल भित्तियाँ, प्रवाल विरंजन; समुद्र-स्तर में परिवर्तन; समुद्री नियम और समुद्री प्रदूषण।	• VisionIAS वैल्यू एडिशन मटेरियल (VAM) • भौतिक भूगोल NCERT कक्षा 11 • भौतिक भूगोल – **सविन्द्र सिंह** • फिजिकल ज्योग्राफी – **स्ट्राहलर एवं स्ट्राहलर** • फिजिकल ज्योग्राफी – मेड सिम्पल, रूपा पब्लिशर • भौतिक भूगोल चित्रों में – बन्नेट • भूआकृतिक सिद्धांत – **W.D. थॉर्नबरी** • समुद्र विज्ञान – **शर्मा एवं वाटल** • समाचार पत्रों और पत्रिकाओं, जैसे कि- डाउन टू अर्थ, द नेचर, भूगोल और आप (ज्योग्राफी एंड यू) से समसामयिक विषय
यूनिट टेस्ट 2 [5154]	30 नवंबर 2025	**1. जलवायु विज्ञान:** विश्व के ताप एवं दाब कटिबंध; पृथ्वी का ऊष्मा बजट; वायुमंडलीय परिसंचरण; वायुमंडलीय स्थिरता एवं अस्थिरता; भूमंडलीय एवं स्थानीय पवनें; मानसून एवं जेट प्रवाह; वायुराशियाँ एवं वाताग्रजनन, शीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय चक्रवात; वर्षण के प्रकार एवं वितरण; मौसम एवं जलवायु; कोपेन, थॉर्नथ्वेट एवं ट्रिवार्था का विश्व जलवायु वर्गीकरण; जलीय चक्र; वैश्विक जलवायु परिवर्तन एवं जलवायु परिवर्तनों में मनुष्य की भूमिका एवं प्रतिक्रिया, अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान एवं नगरीय जलवायु। **2. जैवभूगोल:** मृदाओं की उत्पत्ति; मृदाओं का वर्गीकरण एवं वितरण; मृदा परिच्छेदिका; मृदा अपरदन, निम्नीकरण एवं संरक्षण; पादप एवं जंतुओं के वैश्विक वितरण को प्रभावित करने वाले कारक; निर्वनीकरण की समस्याएँ एवं संरक्षण उपाय; सामाजिक वानिकी; कृषि वानिकी; वन्य जीवन; प्रमुख जीन पूल केंद्र। **3. पर्यावरणीय भूगोल:** पारिस्थितिकी के सिद्धांत; मानव पारिस्थितिक अनुकूलन; पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर मानव का प्रभाव; वैश्विक एवं क्षेत्रीय पारिस्थितिक परिवर्तन और असंतुलन; पारिस्थितिकी तंत्र, उनका प्रबंधन और संरक्षण; पर्यावरणीय निम्नीकरण, प्रबंधन और संरक्षण; जैव-विविधता एवं संपोषणीय विकास; पर्यावरणीय नीति; पर्यावरणीय संकट और उपचारात्मक उपाय; पर्यावरणीय शिक्षा एवं विधान।	• VisionIAS वैल्यू एडिशन मटेरियल (VAM) • भौतिक भूगोल – **NCERT कक्षा 11** • भौतिक भूगोल – **सविन्द्र सिंह** • जलवायु विज्ञान – **डी. एस. लाल** • जलवायु विज्ञान – **सविन्द्र सिंह** • जैवभूगोल – **सविन्द्र सिंह** • **पारिस्थितिकी एवं** पर्यावरण – **पी.डी. शर्मा** • समाचार पत्रों से समसामयिक विषय
सेक्शनल टेस्ट 1 [5155]	7 दिसंबर 2025	1. भू-आकृति विज्ञान 2. जलवायु विज्ञान 3. समुद्र विज्ञान 4. जैव भूगोल 5. पर्यावरण भूगोल	

यूनिट टेस्ट 3 [5156]	**21 दिसंबर 2025**	**1. मानव भूगोल में संदर्श:** क्षेत्रीय विभेदन; प्रादेशिक संश्लेषण; द्विभाजन एवं द्वैतवाद; पर्यावरणवाद; मात्रात्मक क्रांति एवं अवस्थिति विश्लेषण; उग्रसुधारवाद, व्यावहारिक, मानवीय और कल्याणकारी उपागम; भाषाएँ, धर्म और धर्मनिरपेक्षता; विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश; मानव विकास सूचकांक। **2. जनसंख्या एवं बस्ती भूगोल:** विश्व जनसंख्या की वृद्धि और वितरण; जनसांख्यिकीय गुण; प्रवासन के कारण और परिणाम; अतिरेक-अल्प एवं अनुकूलतम जनसंख्या की संकल्पनाएं; जनसंख्या के सिद्धांत, विश्व की जनसंख्या समस्याएं और नीतियां, सामाजिक कल्याण एवं जीवन गुणवत्ता; सामाजिक पूंजी के रूप में जनसंख्या। ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं प्रतिरूप; ग्रामीण बस्तियों में पर्यावरणीय मुद्दे; नगरीय बस्तियों का पदानुक्रम; नगरीय आकारिकी: प्रमुख (प्राइमेट) शहर/नगर एवं श्रेणी आकार प्रणाली (कोटि आकार नियम) की संकल्पनाएँ; नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; नगरीय प्रभाव क्षेत्र; ग्राम-नगर उपांत; अनुषंगी नगर; नगरीकरण की समस्याएं एवं समाधान; नगरों का संपोषणीय विकास।	• भौगोलिक चिंतन का विकास – माजिद हुसैन; • मानव भूगोल – **माजिद हुसैन;** • भौगोलिक चिंतन – **सुदीप्त अधिकारी** • भौगोलिक चिंतन – आर. डी. दीक्षित • जनसंख्या के आधार पर भूगोल – आर. सी. चंदना • समाचार पत्रों और पत्रिकाओं, जैसे कि- डाउन टू अर्थ, द नेचर, भूगोल और आप (ज्योग्राफी एंड यू) से समसामयिक विषय
यूनिट टेस्ट 4 [5157]	**4 जनवरी 2026**	**1. आर्थिक भूगोल:** विश्व आर्थिक विकास: माप एवं समस्याएँ; विश्व संसाधन और उनका वितरण; ऊर्जा संकट; वृद्धि की सीमाएँ; विश्व कृषि: कृषि प्रदेशों की प्रारूपता; कृषि निवेश एवं उत्पादकता; खाद्य एवं पोषण समस्याएं; खाद्य सुरक्षा; दुर्भिक्षः कारण, प्रभाव एवं उपचार; विश्व उद्योग: अवस्थानिक प्रतिरूप एवं समस्याएं; विश्व व्यापार के प्रतिमान। **2. प्रादेशिक नियोजन:** प्रदेश की संकल्पना; प्रदेशों के प्रकार एवं प्रदेशीकरण की विधियां; वृद्धि केन्द्र तथा वृद्धि ध्रुव; प्रादेशिक असंतुलन; प्रादेशिक विकास कार्यनीतियां; प्रादेशिक आयोजन में पर्यावरणीय मुद्दे; संपोषणीय विकास के लिए नियोजन। **3. मानव भूगोल में मॉडल, सिद्धांत और नियम:** मानव भूगोल में तंत्र विश्लेषण; माल्थस का, मार्क्स का और जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल; क्रिस्टॉलर एवं लॉश का केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त; पेरॉक्स (पेरू) एवं बूदविए; वॉन थूनेन का कृषि अवस्थिति मॉडल, वेबर का औद्योगिक अवस्थिति मॉडल; रोस्तोव का वृद्धि अवस्था मॉडल; अंतःभूमि (हर्टलैंड) एवं बहिःभूमि (रिमलैंड) सिद्धान्त; अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं एवं सीमांत क्षेत्र के नियम।	• आर्थिक और सामाजिक भूगोल – **मेड सिंपल (रूपा पब्लिशर द्वारा)** • मानव भूगोल – **माजिद हुसैन** • प्रादेशिक भूगोल – **चंद और पुरी** • ह्यूमन एंड इकोनॉमिक जियोग्राफी – **लियोंग और मॉर्गन** • आर्थिक भूगोल – **हार्टशॉर्न और एलेक्जेंडर** • आर्थिक भूगोल, मॉडल और सिद्धांतों पर पुस्तकें – **के. सिद्धार्थ** • समाचार पत्रों और पत्रिकाओं, जैसे कि- **डाउन टू अर्थ, द नेचर, भूगोल और आप (ज्योग्राफी एंड यू) से समसामयिक विषय**
सेक्शनल टेस्ट 2 [5158]	**11 जनवरी 2026**	1. मानव भूगोल में संदर्श 2. आर्थिक भूगोल 3. जनसंख्या एवं बस्ती भूगोल 4. प्रादेशिक नियोजन 5. मानव भूगोल में मॉडल, सिद्धांत और नियम	
यूनिट टेस्ट 5 [5159]	**25 जनवरी 2026**	**1. भौतिक विन्यासः** पड़ोसी देशों के साथ भारत का अंतरिक्ष संबंध; संरचना एवं उच्चावच; अपवाह तंत्र एवं जल विभाजक; भू-आकृतिक प्रदेश; भारतीय मानसून एवं वर्षा प्रतिरूप, उष्णकटिबंधीय चक्रवात एवं पश्चिमी विक्षोभ की क्रियाविधि; बाढ़ एवं अनावृष्टि (सूखा); जलवायवीय प्रदेश; प्राकृतिक वनस्पति; मृदा प्रकार एवं उनका वितरण। **2. संसाधनः** भूमि, सतह एवं भौमजल, ऊर्जा, खनिज, जीवीय एवं समुद्री संसाधन; वन एवं वन्य जीवन संसाधन एवं उनका संरक्षण; ऊर्जा संकट। ****मानचित्रण**	• भारत का भूगोल की पुस्तकें – NCERT • भारत का भूगोल – खुल्लर • भारत का भूगोल – माजिद हुसैन • भारत का भूगोल – आर.सी. तिवारी • समाचार पत्रों और पत्रिकाओं, जैसे कि- डाउन टू अर्थ, द नेचर, भूगोल और आप (ज्योग्राफी एंड यू) से समसामयिक विषय

यूनिट टेस्ट 6 [5160]	**8 फरवरी 2026**	**1. कृषिः** अवसंरचना, सिंचाई, बीज, उर्वरक, विद्युत; संस्थागत कारकः जोत, भू-धारण एवं भूमि सुधार; शस्यन प्रतिरूप, कृषि उत्पादकता, कृषि प्रकर्ष/गहनता, फसल संयोजन, भूमि क्षमता; कृषि एवं सामाजिक वानिकी; हरित क्रान्ति एवं इसकी सामाजिक-आर्थिक एवं पारिस्थितिक विवक्षा; वर्षाधीन खेती का महत्त्व; पशुधन संसाधन एवं श्वेत क्रान्ति; जल कृषि, रेशम कीटपालन, मधुमक्खी पालन एवं कुक्कुट पालन; कृषि प्रादेशीकरण; कृषि जलवायवीय क्षेत्र; कृषि पारिस्थितिक प्रदेश। **2. उद्योगः** उद्योगों का विकास; कपास, जूट, वस्त्रोद्योग, लौह एवं इस्पात, एल्युमिनियम, उर्वरक, कागज, रसायन एवं फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कुटीर एवं कृषि आधारित उद्योगों के अवस्थिति कारक; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित औद्योगिक संकुल; औद्योगिक प्रादेशीकरण; नई औद्योगिक नीति; बहुराष्ट्रीय कंपनियां एवं उदारीकरण; विशेष आर्थिक क्षेत्र; पारिस्थितिक-पर्यटन समेत पर्यटन। **3. परिवहन, संचार एवं व्यापारः** सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, हवाई मार्ग एवं पाइपलाइन नेटवर्क एवं प्रादेशिक विकास में उनकी पूरक भूमिका; राष्ट्रीय एवं विदेशी व्यापार वाले पत्तनों का बढ़ता महत्व; व्यापार संतुलन; व्यापार नीति; निर्यात प्रसंस्करण (प्रक्रमण) क्षेत्र; संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में आया विकास और अर्थव्यवस्था तथा समाज पर उनका प्रभाव; भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम।	• भारत का भूगोल की पुस्तकें – **NCERT** • भारत का भूगोल – **खुल्लर** • भारत का भूगोल – **माजिद हुसैन** • भारत का भूगोल – **आर.सी. तिवारी** • समाचार पत्रों और पत्रिकाओं, जैसे कि- **डाउन टू अर्थ, द नेचर, भूगोल और आप (ज्योग्राफी एंड यू) से समसामयिक विषय**
सेक्शनल टेस्ट 3 [5161]	**15 फरवरी 2026**	1. भौतिक विन्यास 2. संसाधन 3. कृषि 4. उद्योग 5. परिवहन, संचार और व्यापार **नोट:** अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र II: भारत का भूगोल में शामिल विषयों से संबंधित एक अनिवार्य मानचित्र प्रश्न का उत्तर देना होगा। इन प्रश्नों के लिए किसी भी स्कूल एटलस (ऑक्सफोर्ड/ओरिएंट लॉगमैन) का संदर्भ लें।	
यूनिट टेस्ट 7 [5162]	**1 मार्च 2026**	**1. सांस्कृतिक विन्यासः** भारतीय समाज का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य; प्रजातीय, भाषिक एवं नृजातीय विविधताएं; धार्मिक अल्पसंख्यक; प्रमुख जनजातियां, जनजातीय क्षेत्र तथा उनकी समस्याएं; सांस्कृतिक प्रदेश; जनसंख्या की संवृद्धि, वितरण एवं घनत्व; जनसांख्यिकीय गुण; लिंग अनुपात, आयु संरचना, साक्षरता दर, कार्यबल, निर्भरता अनुपात, आयुकाल; प्रवासन (अंतः प्रादेशिक, प्रदेशांतर तथा अंतर्राष्ट्रीय) एवं इससे जुड़ी समस्याएं, जनसंख्या समस्याएं एवं नीतियां; स्वास्थ्य सूचक। **2. अधिवास/बस्तीः** ग्रामीण बस्ती के प्रकार, प्रतिरूप तथा आकारिकी; नगरीय विकास; भारतीय शहरों की आकारिकी; भारतीय शहरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; सन्नगर एवं महानगरीय प्रदेश; नगर स्वप्रसार; गंदी बस्ती एवं उससे जुड़ी समस्याएं; नगर आयोजना; नगरीकरण की समस्याएं एवं उपचार। **3. प्रादेशिक विकास एवं नियोजन/आयोजनः** भारत में प्रादेशिक आयोजन का अनुभव; पंचवर्षीय योजनाएं; समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम; पंचायती राज एवं विकेंद्रीकृत आयोजन; कमान क्षेत्र विकास; जल विभाजक प्रबंध; पिछड़ा क्षेत्र, मरूस्थल, अनावृष्टि प्रवण, पहाड़ी, जनजातीय क्षेत्र विकास के लिए आयोजना; बहुस्तरीय नियोजन/योजना; प्रादेशिक आयोजना/योजना एवं द्वीप क्षेत्रों का विकास।	• भारत का भूगोल की पुस्तकें – **NCERT** • भारत का भूगोल – **खुल्लर** • भारत का भूगोल – **माजिद हुसैन** • भारत का भूगोल – **आर.सी. तिवारी** • समाचार पत्रों और पत्रिकाओं, जैसे कि- **डाउन टू अर्थ, द नेचर, भूगोल और आप (ज्योग्राफी एंड यू) से समसामयिक विषय**

यूनिट टेस्ट 8 [5163]	**15 मार्च 2026**	**1. राजनैतिक परिप्रेक्ष्यः** भारतीय संघवाद का भौगोलिक आधार; राज्य पुनर्गठन; नए राज्यों का आविर्भाव; प्रादेशिक चेतना एवं अंतर्राज्यीय मुद्दे; भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा और संबंधित मुद्दे; सीमापार आतंकवाद; वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका; दक्षिण एशिया एवं हिन्द महासागर परिमंडल की भू-राजनीति। **2. समकालीन मुद्देः** पारिस्थितिक मुद्देः पर्यावरणीय संकटः भू-स्खलन, भूकंप, सुनामी, बाढ़ एवं अनावृष्टि, महामारी; पर्यावरणीय प्रदूषण से संबंधित मुद्दे; भूमि उपयोग के प्रतिरूप में बदलाव; पर्यावरणीय प्रभाव आकलन एवं प्रबंधन के सिद्धान्त; जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा; पर्यावरणीय निम्नीकरण, निर्वनीकरण, मरूस्थलीकरण एवं मृदा अपरदन; कृषि एवं औद्योगिक अशांति की समस्याएं; आर्थिक विकास में प्रादेशिक विषमताएं; संपोषणीय वृद्धि एवं विकास की संकल्पना; पर्यावरणीय संचेतना; नदियों का सहवर्द्धन (संयोजन); भूमंडलीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था।	• भारत का भूगोल की पुस्तकें – **NCERT** • भारत का भूगोल – **खुल्लर** • भारत सरकार के प्रकाशन प्रभाग द्वारा प्रकाशित – **भारत या इंडिया ईयर बुक** • प्रादेशिक नियोजन एवं विकास – **चंद और पुरी** • भारत का आधुनिक राजनीतिक भूगोल – **बी.एल. सुखवाल** • समाचार पत्रों और पत्रिकाओं, जैसे कि- **डाउन टू अर्थ, द नेचर, भूगोल और आप (ज्योग्राफी एंड यू), योजना और कुरुक्षेत्र से समसामयिक विषय**
सेक्शनल टेस्ट 4 [5164]	**22 मार्च 2026**	1. सांस्कृतिक विन्यास 2. बस्तियाँ 3. प्रादेशिक विकास एवं नियोजन 4. राजनीतिक परिप्रेक्ष्य 5. समसामयिक मुद्दे **नोटः** अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र II: भारत का भूगोल में शामिल विषयों से संबंधित एक अनिवार्य मानचित्र प्रश्न का उत्तर देना होगा। इन प्रश्नों के लिए किसी भी स्कूल एटलस (ऑक्सफोर्ड/ओरिएंट लॉगमैन) का संदर्भ लें।	

FLT-1 [5165]	**21 जून 2026**	भूगोल प्रश्नपत्र–I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)
FLT-2 [5166]	**5 जुलाई 2026**	भूगोल प्रश्नपत्र–II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)
FLT-3 [5167]	**19 जुलाई 2026**	भूगोल प्रश्नपत्र–I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)
FLT-4 [5168]	**31 जुलाई 2026**	भूगोल प्रश्नपत्र–II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)

नोट

- तीनों ही कार्यक्रमों में, आपकी सुविधानुसार परीक्षा की तिथियों को पुनर्निर्धारित (यानी आगे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन पूर्व में नहीं दिया जा सकता) किया जा सकता है।
- दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद, पुणे, बेंगलुरु, अहमदाबाद, लखनऊ, चंडीगढ़ और गुवाहाटी सहित कई शहरों में ऑफलाइन परीक्षा केंद्र उपलब्ध हैं। परीक्षा केंद्र बृहस्पतिवार (गुरुवार) को बंद रहते हैं।
- अध्ययन सामग्री और परीक्षण पुस्तिकाएं केवल सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध कराई जाएंगी तथा उन्हें भौतिक रूप से नहीं भेजा जाएगा।

Heartiest Congratulations
to all Successful Candidates

10 in **TOP 10** Selections in **CSE 2024**
from various programs of **Vision IAS**

Shakti Dubey

Harshita Goyal
GS Foundation Classroom Student

Dongre Archit Parag
GS Foundation Classroom Student

Shah Margi Chirag

Aakash Garg

Komal Punia

Aayushi Bansal

Raj Krishna Jha

Aditya Vikram Agarwal

Mayank Tripathi

हिंदी माध्यम में 30+ चयन CSE 2024 में

Ankita Kanti

Ravi Raaz

Mamata

Sukh Ram

Amit Kumar Yadav

HEAD OFFICE
DELHI
33, Pusa Road,
Near Karol Bagh Metro Station,
Opposite Pillar No. 113,
Delhi – 110005

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor,
Mukherjee Nagar, Opposite Punjab
& Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office,
above Gate No. 2, GTB Nagar
Metro Building, Delhi – 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call:
+91 8468022022,
+91 9019066066

enquiry@visionias.in /@visionias hindi /visionias.upsc /vision_ias_hindi/ /hindi_visionias

अहमदाबाद बेंगलूरु भोपाल चंडीगढ़ दिल्ली गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे राँची